टी20 में नंबर एक गेंदबाज रहे अर्शदीप टेस्ट में जगह का कर रहे इंतजार

चंडीगढ़

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने अब तक के अपने करियर में सीमित ओवरों के प्रारुप में अपने अच्छे प्रदर्शन से भारतीय क्रिकेट टीम में जगह पक्की कर ली है पर वह अभी तक टेस्ट क्रिकेट में जगह नहीं बना पाये हैं। स्वयं अर्शदीप भी मानते हैं कि लाल गेंद के इस पारंपरिक प्रारूप में आगे की राह उनके लिए आसान नहीं रहेगी।

उन्होंने माना है कि प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपेक्षाकृत कम मैच खेलना भी इसका एक कारण रहा है जिससे वह टेस्ट के लिए तैयार नहीं हो पाये हैं। दिसंबर 2019 में प्रथम श्रेणी में पदार्पण करने के बाद से ही वह सीमित ओवरों के प्रारूप में भारत के प्रमुख गेंदबाजों में से एक हैं हालांकि इस तेज गेंदबाज ने केवल 24 प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं। इनमें से उनके 23वें और 24वें मैच इस सत्र की दलीप ट्राफी में खेले गए, जो लगभग एक साल के अंतराल के बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में उनकी वापसी थी। उन्होंने दलीप ट्राफी में मिले इस अवसर का भरपूर लाभ उठाने की कोशिश की, जहां उनकी टीम, नार्थ ज़ोन, सेमीफाइनल चरण तक पहुंची।

दलीप ट्राफी के बाद वह अपनी शेर-ए-पंजाब टीम लुधियाना लायंस में शामिल हुए। अर्शदीप ने अपने टेस्ट बुलावे के इंतजार को लेकर कहा, मैं टेस्ट के लिए बुलावे के लिए तैयार रहने के लिए अपने नियंत्रण में सब कुछ करता हूं। उन्होंने आगे कहा, प्रथम श्रेणी के खेलों में लंबा अंतराल तैयारी के लिए आदर्श नहीं हो सकता है, लेकिन मैं केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित कर सकता हूं जो मैं मौका मिलने पर तैयार रहने के लिए कर सकता हूं। 27 वर्षीय इस युवा गेंदबाज ने आत्मविश्वास के साथ कहा, टेस्ट टीम के लिए प्रतिस्पर्धा करना एक सम्मान है जिसका मैं बहुत इंतजार कर रहा हूं, और मैं भारत के लिए फर्क करने की अपनी क्षमता में पूरी तरह आश्वस्त हूं। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने बताया कि दलीप ट्राफी में खेलते हुए अपने शरीर की क्षमताओं को समझना उनके द्वारा किए गए प्राथमिक कार्यों में से एक था। अर्शदीप के अनुसार, एक तेज गेंदबाज के रूप में, प्रथम श्रेणी के खेल खेलना आमतौर पर शरीर के लिए बेहद कठिन होता है जो कभी-कभी बहुत अधिक ऊर्जा और सहनशक्ति की मांग करते हैं। लेकिन एक तेज गेंदबाज के तौर पर, मुझे इस कार्यभार को प्रबंधित करने और हर बार जब मैं गेंदबाजी करने के लिए दौड़ता हूं तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में भी बहुत गर्व महसूस होता है। दो बार के टी20 विश्व कप विजेता ने अपनी दलीप ट्राफी भागीदारी से मिली सीख के बारे में बताया, मुख्य सीख अपने शरीर को समझना और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है ।

दलीप ट्रॉफी में लंबे स्पेल से सिराज की लय लौटी:बोले- दो महीने के ब्रेक से शरीर सुस्त पड़ा, श्रीलंका में रन-अप बिगड़ गया था

चेन्नई । चेन्नई में भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि दलीप ट्रॉफी में लंबे स्पेल करने के बाद उनकी लय और रफ्तार वापस आ गई है। सिराज ने बताया कि 8 जून को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट खत्म होने के बाद उन्होंने दो महीने का ब्रेक लिया था। ब्रेक के बाद शरीर सुस्त महसूस कर रहा था, जिसका असर श्रीलंका दौरे पर रन-अप और गेंदबाजी की रफ्तार पर पड़ा था। सिराज ने कहा श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट की सीरीज में सिराज करीब 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे थे, जबकि उनकी सामान्य रफ्तार 140 से 145 किलोमीटर प्रति घंटे रहती है। उन्होंने श्रीलंका दौरे पर चार पारियों में 44 ओवर गेंदबाजी की और 4 विकेट लिए। हालांकि, इस दौरान वह अपनी सामान्य रफ्तार और लय में नजर नहीं आए। सिराज ने कहा कि चेपॉक में दलीप ट्रॉफी फाइनल के दौरान 41 ओवर गेंदबाजी करने से उन्हें काफी फायदा हुआ। उन्होंने कहा, यहां सब कुछ अपनी जगह पर आ गया और रफ्तार अपने आप लौट आई। यह बहुत मुश्किल था। हम श्रीलंका से सीधे आए थे। उन्होंने आगे कहा, दूसरे टेस्ट में हमने साढ़े तीन दिन फील्डिंग की थी। इसके एक हफ्ते के भीतर हम चेन्नई की तेज गर्मी में खेल रहे थे। लेकिन मेरे लिए बात जुनून की है।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपनः सबालेंका ने पेगुला को सीधे सेटों में हराया, लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचीं

न्यूयार्क। शीर्ष वरीय बेलारूस की आर्यना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेसिका पेगुला को सीधे सेटों

में हराकर यूएस ओपन के फाइनल में प्रवेश कर लिया। सबालेंका ने आर्थर ऐश स्टेडियम में तीसरी वरीय पेगुला को 7-5, 6-2 से शिकस्त दी और लगातार चौथे वर्ष खिताबी मुकाबले में जगह बनाई। सबालेंका इस जीत के साथ लगातार तीसरी बार यूएस ओपन खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को भी बरकरार रखने में सफल रहीं। हालांकि, खिताब जीतने की स्थिति में भी वह दुनिया की नंबर एक रैंकिंग बरकरार नहीं रख पाएंगी और उनकी जगह एलेना राइबाकिना शीर्ष स्थान हासिल करेंगी। 28 वर्षीय सबालेंका ने मुकाबले में सात ऐस समेत 29 विनर्स लगाए। उनकी ताकतवर ग्राउंडस्ट्रोक्स के सामने पेगुला लगातार दबाव में रहीं। सबालेंका अब शनिवार को होने वाले फाइनल में दूसरी वरीय राइबाकिना और चौथी वरीय कोको गाफ के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से भिड़ेंगी। सबालेंका ने जीत के बाद कहा, मैं बेहद खुश हूं कि मैं इस तरह का टेनिस खेल सकी। मैं जीत के लिए बेताब थी। मैं इसे बहुत बुरी तरह जीतना चाहती थी। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार सर्विस की और मुकाबला बेहद कड़ा रहा। सबालेंका पेगुला की सर्विस के खिलाफ ज्यादा मौके नहीं बना पा रही थीं और उनकी निराशा भी नजर आई। हालांकि, उन्होंने अपना ध्यान बनाए रखा। 5-6 के स्कोर पर सर्विस कर रहीं पेगुला 0-40 से पिछड़ गईं। उन्होंने एक सेट प्वाइंट बचाया, लेकिन अगला मौका नहीं बचा सकीं।

सेंटेनर ने राष्ट्रीय टीम से खेलने बिग बैश का प्रस्ताव ठुकराया

वेलिंगटन। एक ओर जहां आजकल क्रिकेटर टी20 लीग खेलने के लिए अपनी राष्ट्रीय टीम तक से खेलने से इंकार कर रहे हैं। वहीं न्यूजीलैंड की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने आस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग (बीबीएल) से मिले प्रस्ताव को ठुकराते हुए कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को ही सबसे अधिक महत्व देते हैं। सैंटनर ने कहा कि अपने देश का प्रतिनिधित्व करने से बड़ा कुछ नही हैं। सैंटनर ने भारत और आस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज खेलने के लिए एडिलेड स्ट्राइकर्स के आकर्षक अनुबंध को छोड़ दिया है। एडिलेड स्ट्राइकर्स ने इस स्पिनर से बीबीएल में शामिल होने के लिए संपर्क किया था, और उन्हें एक अच्छी पेशकश भी की गई थी सैंटनर ने इस प्रस्ताव पर विचार भी किया पर अंत में उन्होंने अपनी सेवाएं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ही देने का फैसला किया। न्यूजीलैंड की टीम को अगले माह 22 अक्टूबर से 1 दिसंबर तक भारत से खेलना है।

बांग्लादेश को 40 रन से हराकर भारत 10वीं बार एशिया कप फाइनल में

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 40 रन से हराकर 2026 महिला एशिया कप के फाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट के फाइनल में 10वीं बार प्रवेश किया है। दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 149 रन बनाए। टीम की ओर से शेफाली वर्मा ने सर्वाधिक 64 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने 40 गेंदों का सामना करते हुए सात चौके और तीन छक्के लगाए। इसके अलावा कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 24, ऋचा घोष ने 21, प्रतिका रावल ने 20 और दीप्ति शर्मा ने 13 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना केवल दो रन बना सकीं, जबकि भारती फुलमाली बिना खाता खोले रन आउट हो गईं। बांग्लादेश की ओर से सुल्ताना खातून ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने लगातार विकेट गंवाती रही और 20 ओवर में सात विकेट पर 109 रन ही बना सकी। शोर्ना अख्तर ने 22 रन बनाकर टीम की ओर से सबसे बड़ी पारी खेली। उनके अलावा दिलारा अख्तर ने 21, कप्तान निगरा सुल्तान ने 19 और शोभना मोस्तरी ने 18 रन बनाए। भारत की गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा सबसे प्रभावी रहीं। उन्होंने तीन विकेट लेकर बांग्लादेश की रन गति पर अंकुश लगाए रखा। अब भारतीय टीम की नजरें खिताबी मुकाबले में अपना शानदार अभियान पूरा कर एशिया कप ट्राफी जीतने पर होंगी।

भारत से मुकाबले के लिए ब्राजील ने शामिल किये विनीसियस, राफिन्हा जैसे खिलाड़ी

रियो डी जनेरियो

अब भारतीय प्रशंसकों को अगले माह ब्राजील की फुटबाल टीम के खिलाफ होने वाले मुकाबले में रियाल मैड्रिड के स्टार फारवर्ड विनीसियस जूनियर, बार्सिलोना के विंगर राफिन्हा और पेरिस सेंट-जर्मेन के मार्क्विनहोस जैसे स्टार खिलाड़ियों को भी देखने का अवसर मिलेगा।

इसका कारण है कि ब्राजील ने भारतीय टीम के खिलाफ 3 अक्टूबर को होने वाले एक मैच के लिए इन तीनों ही स्टार फुटबालरों को अपनी 26 सदस्यीय टीम में शामिल किया है। यह मैच कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में खेला जाएगा। यह पहला अवसर होगा जब भारतीय टीम ब्राजील से खेलेगी। इसी कारण इस मुकाबले को लेकर लोगों में उत्साह है।

ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने ब्राजील फुटबाल महासंघ (सीबीएफ) के मुख्यालय में विश्व कप के बाद अपनी पहली टीम की घोषणा की। एंसेलोटी ने अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के संतुलित मिश्रण पर जोर दिया है, जिसमें 2028 लास एंजिल्स ओलंपिक में खेलने की पात्रता रखने वाले कई खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

विनीसियस जूनियर, राफिन्हा और मार्क्विनहोस जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के साथ, आर्सेनल के गेब्रियल मैगलहेस और ब्रूनो गुइमारेस जैसे नामों को भी टीम में बनाये रखा गया है। एंसेलोटी ने कहा, हमें एक संतुलित टीम तैयार करनी होगी जिसमें पिछले सत्र में खेलने वाले खिलाड़ियों के अलावा युवा खिलाड़ी भी शामिल हों। हमारा मकसद प्रतिस्पर्धा बनाए रखते हुए भविष्य के लिए कुछ मजबूत आधार तैयार करना है। टीम में सबसे अहम बदलाव रक्षापंक्ति और गोलकीपिंग में देखने को मिले हैं। ब्राजील ने पिछले विश्व कप के लिए चुने गए गोलकीपरों की तिकड़ी एलिसन, एडर्सन और वेवर्टन को टीम से बाहर कर दिया है, और ह्यूगो सूजा को पहली पसंद के गोलकीपर के रूप में शामिल किया है।

पेड्रो मोरिस्को और ओटावियो अन्य दो गोलकीपर हैं। रक्षापंक्ति में मार्क्विनहोस और मैगलहेस जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ आर्थर डायस, जायर, मैथ्यूज़िन्हो और माउरो जूनियर जैसे युवा प्रतिभाओं को अवसर दिया गया है।

दिल्ली उच्च न्यायालय का डब्ल्यूएफआई को निर्देश : विनेश की याचिका पर सुनाई के दौरान की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को देश और खिलाड़ी के हितों के बीच संतुलन कायम करने के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश बनाने चाहिए विशेषकर उस महिला खिलाड़ी के लिए जो मातृत्व के बाद दोबारा खेल के मैदान पर लौटती है। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि यह दुखद है कि महिलाओं को शादी और बच्चे के जन्म के बाद अपने करियर को पीछे रखना पड़ता है जबकि पुरुष अपने-अपने करियर में आगे बढ़ते रहते हैं। अदालत ने कहा कि डब्ल्यूएफआई के पास निश्चित दिशानिर्देश और समयसीमा होनी चाहिए क्योंकि इनके अभाव में अन्याय की स्थिति पैदा होती है। अदालत की यह टिप्पणी पहलवान विनेश फोगाट की याचिका पर सुनवाई के दौरान आई। मातृत्व अवकाश के बाद खेल में वापसी करने वाली विनेश ने 2026 सीनियर विश्व चैंपियनशिप के लिए महिलाओं के चयन ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति मांगी है। अदालत ने कहा कि वह इस आवेदन पर आदेश पारित करेगी। सुनवाई के दौरान विनेश के वकील ने कहा कि वे कंस्टीट्यूशन क्लब में कारण बताओ नोटिस की बैठक में शामिल होने गए थे, लेकिन डब्ल्यूएफआई की ओर से वहां कोई मौजूद नहीं था। इसके बाद महासंघ ने कहा कि वह बैठक में शामिल नहीं हुईं। वकील ने दलील दी, यह एक संस्थान द्वारा जानबूझकर मुझे निशाना बनाने का मामला है। प्रथम दृष्टया मैं उनकी ओर से दुर्भावना और पक्षपात दिखाने में सक्षम हूं। डब्ल्यूएफआई ने इस मामले में पूरी तरह मनमाना रवैया अपनाया है। उन्हें चयन मानदंड के बारे में केवल सात सितंबर को बताया गया जबकि ट्रायल 14 सितंबर को निर्धारित हैं। हालांकि डब्ल्यूएफआई की ओर से पेश वकील ने कहा कि फोगाट को भाग लेने से प्रतिबंधित नहीं किया गया है और अगर वह नीति के अनुसार पात्र हैं तो वह चयन ट्रायल में हिस्सा ले सकती हैं। उन्होंने कहा कि 2025 और 2026 के पदक विजेता पात्र होंगे और फोगाट का पदक जीतकर फिर से राज्यों तथा राष्ट्रीय चैंपियनशिप के जरिए शीर्ष स्तर पर लौटने के लिए स्वागत है क्योंकि उन्होंने कई वर्षों से पदक नहीं जीते हैं। वकील ने दलील दी, मातृत्व की बात करें तो ऐसी अन्य महिला पहलवान भी हैं जिन्होंने मातृत्व के बाद भारत के लिए पदक जीते हैं। वे अपनी ताकत वापस हासिल करती हैं। अच्छा प्रदर्शन करती हैं।

यूएस ओपनः राइबाकिना ने गाफ को हराया, सबालेंका से होगा खिताबी मुकाबला

न्यूयार्क

कजाखस्तान की स्टार टेनिस खिलाड़ी एलेना राइबाकिना ने कड़े मुकाबले में घरेलू पसंदीदा कोको गाफ को 3-6, 6-4, 6-4 से हराकर यूएस ओपन 2026 महिला एकल के फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब खिताबी मुकाबले में उनका सामना गत चैंपियन आर्यना सबालेंका से होगा।

दूसरी वरीय राइबाकिना इस जीत के साथ यूएस ओपन के बाद दुनिया की नई नंबर एक खिलाड़ी बनना सुनिश्चित कर चुकी हैं। उन्होंने सबालेंका को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष रैंकिंग हासिल की है। हालांकि, अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लिए उन्हें फाइनल में सबालेंका की चुनौती से पार पाना होगा।

राइबाकिना ने मैच के बाद कहा, मुझे पहले सेट में लगा कि यह बहुत अच्छी शुरुआत थी और सिर्फ एक ब्रेक का अंतर था, लेकिन निश्चित रूप से दबाव था। कोको शानदार खिलाड़ी हैं और उनके खिलाफ खेलना हमेशा मुश्किल होता है। रैलियों को नियंत्रित करना बहुत कठिन होता है। मैंने बस गहरी सांस ली और खुद से सकारात्मक बातें कीं, ताकि अच्छा टेनिस खेलने की कोशिश कर सकूं।

गाफ ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और कजाख खिलाड़ी पर दबाव बनाए रखा। छठे गेम में उन्होंने राइबाकिना की सर्विस तोड़कर बढ़त हासिल कर ली और पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया।

दूसरे सेट में गाफ का स्तर थोड़ा गिरा और उनकी कुछ गलतियों का राइबाकिना ने फायदा उठाया। राइबाकिना ने लगातार दबाव बनाते हुए सेट 6-4 से जीत लिया और मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया।

निर्णायक सेट में राइबाकिना ने एक अतिरिक्त गियर हासिल किया और सर्विस ब्रेक करके 5-3 की बढ़त बना ली। गाफ ने तुरंत वापसी करते हुए उनकी सर्विस तोड़ी, लेकिन राइबाकिना ने अगले गेम में फिर ब्रेक हासिल किया और अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए मैच अपने नाम कर लिया। गाफ की हार के साथ इस साल किसी भी अमेरिकी महिला या पुरुष खिलाड़ी के ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने का सिलसिला भी समाप्त हो गया।

काउंटी में कुलदीप को 10 विकेट

लीड्स । लीड्स के हेडिंग्ले में एसेक्स के खिलाफ काउंटी चैम्पियनशिप मैच में कुलदीप यादव ने 10 विकेट लिए। उन्होंने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पहली बार एक मैच में 10 विकेट लिए हैं। उनके प्रदर्शन से यार्कशायर ने एसेक्स को पारी और 106 रन से हराया। यार्कशायर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 390 रन बनाए। कुलदीप ने 94 गेंदों पर 36 रन भी बनाए। इसके जवाब में एसेक्स की पहली पारी 171 रन पर सिमट गई। कुलदीप ने 23 ओवर में 70 रन देकर 4 विकेट लिए। फालोआन खेलते हुए एसेक्स की दूसरी पारी में कुलदीप ने 16 ओवर में 50 रन देकर 6 विकेट लिए। उनकी गेंदबाजी के सामने एसेक्स की टीम 40 ओवर में 113 रन पर आलआउट हो गई। कुलदीप ने मैच में कुल 10 विकेट लिए और 120 रन दिए। कुलदीप ने मैच से पहले हेडिंग्ले की पिच को अपनी गेंदबाजी के लिए बेहतर बताया था। उन्होंने कहा था कि विकेट में पहले से तेजी थी, इसलिए उन्हें गेंद को ज्यादा तेज फेंकने की जरूरत नहीं पड़ी।

रोहित का लक्ष्य एशियाई खेलों में पदक जीतना

नई दिल्ली

भारत के युवा भाला फेंक खिलाड़ी रोहित यादव का लक्ष्य अब 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों में पदक जीतना है। रोहित के अनुसार वह नीरज चोपड़ा की अनुपस्थिति में देश के लिए पदक जीतकर उनकी कमी पूरी करना चाहते है। नीरज फिट नहीं होने के कारण एशियाई खेलों से बाहर हो गये हैं।

ऐसे में रोहित का लक्ष्य पोडियम पर पहुंचकर देश के लिए पदक जीतना है। गौरतलब है कि इस साल, रोहित का प्रदर्शन ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में अच्छा नहीं रहा था, जहां वह केवल 81.56 मीटर का थ्रो किया था पर इसके बाद 22 अगस्त को भुवनेश्वर में आयोजित विश्व एथलेटिक्स महाद्वीपीय टूर सिल्वर मीट में उन्होंने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 87.68 मीटर का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। रोहित को पूरा भरोसा है कि वह एशियाई खेलों में अपने इस प्रदर्शन को और बेहतर कर सकते हैं।

रोहित ने कहा, मैं कोई दबाव नहीं ले रहा हूं, हालांकि मुझे पता है कि लोगों को मुझसे काफी उम्मीदें हैं। नीरज का यहां नहीं होना निराशाजनक है पर हमें इसे स्वीकार करना होगा। नीरज का पदक शत प्रतिशत पक्का माना जा रहा था पर मैं उनकी जगह भरने की कोशिश करूंगा। मुझे पता है कि मैं उनकी जगह नहीं ले सकता पर मैं पोडियम पर पहुंचने की कोशिश करूंगा।

मैं अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने की कोशिश करूंगा जिससे पदक जीतने वालों में शामिल हो सकूं। रोहित ने नीरज की उपलब्धियों को सराहा। उन्होंने कहा, नीरज का स्थान अलग है। उन्होंने देश के लिए इतिहास बनाया है और दुनिया में हर तरह के पदक जीते हैं। मैं भी उनकी उपलब्धियों जैसा प्रदर्शन करने का प्रयास करूंगा, ताकि देश को मुझ पर गर्व हो।

अपने प्रदर्शन में सुधार के लिए रोहित का मानना है कि उन्हें डायमंड लीग जैसी शीर्ष स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने की जरूरत है। अगर मैं ऐसा कर पाया तो इससे मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ेगा। मेरा लक्ष्य अगले साल सभी बड़ी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना है, ताकि जिससे के स्तर तक पहुंच सकूं और भारत को गौरवान्वित कर सकूं।

राष्ट्रमंडल खेलों के बाद अपनी तैयारी के बारे में रोहित ने बताया कि उन्होंने अपनी तकनीक में कोई खास बदलाव नहीं किया, बल्कि अपनी लय और मानसिकता पर काम किया।

रोहित किसी खास दूरी को लक्ष्य नहीं बना रहे हैं। उनका एकमात्र लक्ष्य एशियाई खेलों में पोडियम पर पहुंचकर पदक जीतना है। उन्हें यहां श्रीलंका के भाला फेंक एथलीट रूमेश पथिरागे और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता पाकिस्तान के अरशद नदीम से चुनौती मिलेगी।

डी काक, बटलर और धोनी हैं टी20 के शीर्ष तीन विकेटकीपर

मुम्बई

विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक विकेटकीपर हुए हैं। इनमें दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी काक, से लेकर भारत के महेन्द्र सिंह धोनी और इंग्लैंड के जोस बटलर हैं। वहीं अगर टी20 प्रारुप की बात करें तो डी काक टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा शिकार करने वाले विकेटकीपरों की सूची में नंबर एक पर हैं। वही इंग्लैंड के बटलर दूसरे और धोनी तीसरे स्थान पर हैं।

डी काक ने अपने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय करियर (2012-2026) में 110 मैचों की 109 पारियों में विकेटकीपिंग करते हुए कुल 117 शिकार किए हैं, जो इस प्रारूप में किसी भी विकेटकीपर द्वारा सबसे अधिक है। इनमें 98 कैच और 19 स्टंपिंग शामिल हैं। उनकी प्रति पारी 1.073 शिकार की औसत और एक पारी में अधिकतम चार कैच लपकने की क्षमता उनकी फुर्ती का प्रमाण है, जिसने दक्षिण अफ्रीकी टीम को कई बार जीत मिली। वहीं इंग्लैंड के बटलर दूसरे स्थान पर हैं। साल 2011 से 2026 तक के अपने लंबे टी-20 करियर में, बटलर ने 130 पारियों में विकेटकीपर के रूप में 109 शिकार किए हैं, जिनमें 87 कैच और 22 स्टंपिंग शामिल हैं। उनका प्रति पारी शिकार औसत 0.838 रहा है, जो उनकी निरंतरता को दिखाता है। एक पारी में अधिकतम पांच शिकार (चार कैच और एक स्टंपिंग) उनके नाम है।

वहीं भारत के धोनी ने साल 2006 से 2019 के बीच 97 पारियों में 91 शिकार किए और इस सूची में तीसरे स्थान पर हैं। हालांकि, उनका सबसे बड़ा प्रभाव 34 स्टंपिंग के विश्व रिकार्ड में दिखता है, जो इस प्रारूप में किसी भी विकेटकीपर द्वारा सबसे अधिक है। 57 कैच के साथ, तेजी से स्टंपिंग करने में उनका कोई जवाब नहीं था। उनका प्रति पारी शिकार औसत 0.938 रहा और उन्होंने एक पारी में अधिकतम पांच कैच भी लपके थे। इसके अलावा एसोसिएट देशों के विकेटकीपरों ने भी अपने असाधारण प्रदर्शन से दुनिया को हैरान किया है। केन्या के इरफ़ान करीम ने केवल 62 पारियों में 90 शिकार किये हैं। उनका प्रति पारी शिकार औसत 1.451 है, जो शीर्ष खिलाड़ियों में सबसे बेहतरीन है। रवांडा के डिडिएर नदिकुबविमाना भी 98 पारियों में 89 शिकार किये है।